मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKE–150

कला स्नातक (सामान्य)/कला स्नातक (ऑनर्स)
संस्कृत (बी. ए. जी./बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026
बी.एस.के.ई.-150 : संस्कृत भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

(iii) सभी प्रश्नों का माध्यम एक हो।

---

1. भाषा-विज्ञान के अध्ययन के प्रकार को स्पष्ट करते हुए भाषा-विज्ञान की उपादेयता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 12

अथवा

यास्क एवं पाणिनि के भाषा वैज्ञानिक चिन्तन को स्पष्ट कीजिए।

2. पद-विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए पद-विभाग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 12

अथवा

वाक्यों के प्रकार का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए वाक्य-परिवर्तन के कारण को स्पष्ट कीजिए।

3. ध्वनि उच्चारण के अवयवों का वर्णन करते हुए प्रयत्न के आधार पर ध्वनि के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

योगात्मक आकृतिमूलक भाषाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में साम्य एवं वैषम्य को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

प्राकृत भाषा का परिचय प्रस्तुत करते हुए प्राकृत के प्रकार पर प्रकाश डालिए।

5. आधुनिक भारतीय भाषाओं की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करते हुए शौरसेनी एवं मागधी अपभ्रंश को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

वाक् को परिभाषित करते हुए भाषा और वाक् में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

6. वैदिककालीन भाषा वैज्ञानिक परम्परा पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

भाषा विज्ञान के अंग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

7. भारोपीय परिवार के वर्गीकरण को स्पष्ट करते हुए शतम् वर्ग का वर्णन कीजिए। 8

अथवा

अफ्रीका पारिवारिक खण्ड के भाषा परिवारों का वर्णन कीजिए।

8. अर्थ का क्या महत्त्व है ? शब्द और अर्थ का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए। 8

अथवा

वाक्य परिवर्तन के कारणों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

9. भाषा की परिभाषा को बताते हुए भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

लौकिक संस्कृत एवं प्राकृत के मध्य साम्य एवं वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।

10. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 8

अथवा

वैदिक संस्कृत की विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

× × × × ×